शिलांग-मेघालय। ब्रह्माकुमारीज़ के मेडिकल प्रभाग द्वारा आयोजित 'नशा मुक्त भारत अभियान' कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर शुभारम्भ करते हुए माननीय राज्यपाल सी.एच. विजय शंकर, राज्यपाल सचिवालय के आयुक्त सचिव बीडीआर तिवारी, स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. नीलम दीदी, राजयोगी डॉ. बनारसी लाल तथा ब्र.कु. मनीषा।

रांची-झारखंड। विश्व एकता और विश्वास के लिए ध्यान(योग) विषय पर आयोजित कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन करते हुए राजयोगिनी ब्र.कु. निर्मला दीदी,हरमू रोड, ब्र.कु. शीला दीदी,सिविल लाइन्स,गया, संजय कुमार गुप्ता,प्रिंसिपल,मिडिल स्कूल,कुकरा, महाश्वेता महारथी,सचिव,बोधगया मंदिर प्रबंधन समिति, डॉ. अरविंद कुमार,बीटीएमसी सदस्य, संजय कुमार अध्यक्ष,बुलियन एसोसिएशन तथा अन्य।

देहरादून-सुभाषनगर(उत्तराखंड)। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा दिव्यांग समानता, संरक्षण एवं सशक्तिकरण विषय पर आयोजित अभियान का दीप प्रज्वलित कर शुभारम्भ करते हुए उत्तराखंड एसोसिएशन के सदस्य संदीप अरोड़ा, राष्ट्रीय दृष्टि निरपेक्ष जन स्कूल के विशेषज्ञ अमित शर्मा, देवभूमि बधिर एसोसिएशन के प्रदेश प्रवक्ता सोनिया अरोड़ा, ब्रह्माकुमारीज़ लायंस सेवा प्रभाग के सदस्य ब्र.कु. प्रकाश, ब्र.कु. मंजू, ब्र.कु. अंशवान बहन, ब्र.कु. मीना,हरिद्वार, ब्र.कु. वीणा,कर्नाटक तथा अन्य।

सारनाथ-वाराणसी(उ.प्र.)। नवनियुक्त मंडलायुक्त भारत एस. राजलिंगम को हार्दिक बधाई एवं शुभकामना के साथ ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. राधिका। साथ हैं ब्र.कु. तापोशी एवं ब्र.कु. विपिन।

आमेट-राज.। ब्रह्माकुमारीज़ की पूर्व मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. रतनमोहिनी दादी के श्रृद्धाजंलि कार्यक्रम में श्रृद्धाजंलि अर्पित करने के पश्चात् समूह चित्र में सोनालीक पेंट लिमिटेड के मैनेजर अलेक्जेंडर कुमार एवं सिविल इंजीनियर नरेश कुमार, ब्र.कु. पूनम एवं ब्र.कु. गौरी।

- गतांक से आगे...

पिछले अंक में आपने पढ़ा कि पहली तैयारी जो मुझे करनी है क्या मैंने अपनी मन्सा को एकदम हल्का किया है, व्यर्थ और निगेटिव से मुक्त किया है? क्योंकि यही हलचल अगर होगी और वही मेरी अंतिम घड़ी होगी तो किस गति को प्राप्त करेंगे! अब आगे पढ़ेंगे...

बाबा ने बहुत सुन्दर बात कही कि कई बार आप समझते कि मैं बहुत ठीक हूँ, मेरी अवस्था बहुत अच्छी है और कोई ऐसे संस्कार पर आपने ध्यान नहीं दिया है और अचानक उस समय वही हलचल

राजयोगिनी ब्र.कु. उषा बहन,
वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका

क्या होगा ये सोचने के बजाए... मेरी स्थिति कैसी है ये सोचें...

नहीं बताऊंगा कि पेपर आने वाला है, ये ड्रामा का नियम ही नहीं है कि घड़ी पहले भी किसी को बता दें कि ये पेपर अभी तेरे सामने आने वाला है, लेकिन बाबा कहें कि आप अपना पुरूषार्थ ऐसा करो जो आप सहजता से बाप समान बन जाओ।

तीसरा लक्ष्य जो बाबा ने दिया है हम

समय की फाइनल समाप्ति हम बच्चों को ही तो करनी है...

मचना शुरू हो जाए मन के अन्दर, अपनी मन्सा के अन्दर, वह ऐसे उभरकर आएंगे कि आप उसको ठीक करने से पहले ही उस हलचल में ही शरीर छोड़ना पड़े। तो इसीलिए बहुत काल का ये अभ्यास चाहिए कि चाहे प्रकृति का कोई पेपर हो, कोई व्यक्ति की बात हो तो लेकिन वो देखते हुए, सुनते हुए भी मैं उससे कितनी डिटैच्ड हूँ, कितनी न्यारी-प्यारी हूँ। बाबा के प्यार में सहजता से मैं समा जाऊँ।

बाबा कई अव्यक्त मुरली के लास्ट में हम बच्चों को ड्रील कराते हैं कि एक सेकण्ड में विदेही बन जाओ, एक सेकण्ड में अशरीरी हो जाओ, फिर वापस बाबा कहें कि देह में आओ, फिर अचानक वापस अशरीरी बनने का अभ्यास करो। तो ये अभ्यास बाबा क्यों करा रहे हैं? बाबा का हम बच्चों से इतना प्यार है कि बाबा नहीं चाहता कि मेरा कोई भी बच्चा हलचल में शरीर छोड़े। उस समय ये नहीं कि क्या हो गया? ये संकल्प न हो, नहीं तो कौन-सी गति को प्राप्त करेंगे?

इसलिए पहला लक्ष्य जो बाबा ने कहा कि आप सबका पहला लक्ष्य है कि सूर्यवंशी बनना है और दूसरा लक्ष्य है बाप समान बनना तो ये दो लक्षण अपने आप में चेक करो, और अपनी तैयारी उस अनुसार करो। तो बाप समान बनने के लिए भी स्वयं में देखो कि क्या बाप के कदम पर कदम रख के चल रहे हैं। अमृतवेले से लेकर के रात्रि तक के लिए बाबा ने हर बात की श्रीमत हम बच्चों को दी है। तो जब हर बात की श्रीमत हमारे पास है यानी ब्रह्मा बाबा उस श्रीमत रूपी कदम पर कदम रख के चले हैं तो मुझे ब्रह्मा बाप के कदम पर कदम रखकर चलना है, तभी तो बाप समान बनेंगे।

तो उसको भी बाबा ने इतना सूक्ष्म स्तर पर ले जाकर कहा कि बच्चे- जब आप सोचते हो, जो संकल्प उत्पन्न हुआ उस समय देखो कि क्या अगर ब्रह्मा बाबा होते तो ऐसा संकल्प बाबा का होता? बाबा का संकल्प कैसा होता था। जो बोल हम बोल रहे हैं, क्या ब्रह्मा बाबा ऐसा बोल निकालते थे, क्या ये कर्म ब्रह्मा बाप के समान होगा? तो ब्रह्मा बाप हमारे लिए सैम्पल हैं और उसके साथ अपने आपको भेंट करो, अपने संकल्प, बोल और कर्म को और चेक करो, उस अनुसार कि क्या मेरे संकल्प, बोल और कर्म ब्रह्मा बाप के समान हैं? तब कहेंगे कि हाँ हम बाप समान बनते जा रहे हैं।

तो अचानक के पेपर जब लेंगे बाबा। बाबा ने कहा कि एक घड़ी पहले भी मैं बच्चों को, वह है अव्यक्त फरिश्ता बनना। उसी मुरली के अन्दर ये तीन लक्ष्य बाबा ने दिए थे। ब्रह्मा बाप समान बनने और अव्यक्त फरिश्ता बनने के लिए क्यों बाबा ने लक्ष्य हम सबके सामने रखा ताकि सहज पुरूषार्थी हो जाएं और दूसरा अव्यक्त फरिश्ता हम बच्चों को इसलिए बनना है ताकि समय की समाप्ति बाबा हमारे द्वारा कराये। जिस तरह बाबा ने कहा कि ब्रह्मा बाबा अव्यक्त बना। क्यों अव्यक्त बना? तो उससे सेवा की रफ्तार की तीव्र गति प्राप्त हुई जो देश-विदेश की सेवा आरम्भ हो गई और इतनी तीव्र गति रफ्तार मिली सेवा को तो उसको हम सभी सहजता से देख सकते हैं, अनुभव कर सकते हैं।

इसलिए बाबा कहते कि ये लक्ष्य जो तुम बच्चों के सामने है कि मुझे अव्यक्त बनकर फरिश्ता बनना है। क्यों बनना है? क्योंकि समय की जो फाइनल समाप्ति है वो हम बच्चों की अव्यक्त स्थिति द्वारा होनी है। जैसे ब्रह्मा बाबा ने अव्यक्त स्थिति द्वारा सेवा की गति को तीव्र किया। ऐसे हम बच्चों की स्थिति द्वारा समय की समाप्ति और सम्पन्नता ये सहज होगा। तो ये फाइनल कार्य तो हमें करना है ना! उसके लिए भी हमें तैयार होना पड़ेगा अचानक के पेपर में।

- क्रमशः

आगरा-आर्ट गैलरी म्यूज़ियम(उ.प्र.)। मातृ दिवस के अवसर पर आयोजित 'आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक' कार्यक्रम के पश्चात् समूह चित्र में स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. मधु, ब्र.कु. संगीता, ब्र.कु. साधना, ब्र.कु. गीता, शहीद कैप्टन शुभम गुप्ता की माता श्रीमती पुष्पा गुप्ता, सेवा सदन संस्था की संचालिका मधु कश्यप तथा अन्य।

मोतिहारी-बिहार। मातृ दिवस के अवसर पर आयोजित सम्मान समारोह में डिज़िटल एडिटिंग विशेषज्ञ एवं मोतिहारी लेक टाउन क्लब की अधिकारी पुतूल सिन्हा को सम्मानित करने के पश्चात् ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. मीना। साथ हैं पूर्व प्राचार्या शशिकला कुमारी।

भीनमाल-इंद्रा कॉलोनी(राज.)। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेन्द्र द्वारा बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए त्रिदिवसीय समर कैम्प के समापन कार्यक्रम के पश्चात् समूह चित्र में स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. गीता दीदी, ब्र.कु. राधा, ब्र.कु. अंजलि, ब्र.कु. बाबू, रिको के अध्यक्ष जोगाराम चौधरी, एडवोकेट दिनेश हिंगड़ा तथा अन्य प्रतिभागी बच्चे।